उसका डेवेलपमेन्ट कैसे होगा, वहां पर एग्रीकल्चर और इंडस्ट्रीज कैसे फले-फूलेंगे?

इसी लिए मैंने कहा है कि इस बजट का समझदारी और जिम्मेदारी से कोई लेना-देना नहीं है, इसे बिल्कुल आंख बन्द कर के पेश कर दिया गया है। यह प्रोजेक्ट राजस्थान की ही नहीं, पूरे हिन्दुस्तान की खाद्यान्न समस्या को हल करने वाला है। उसको 1952 से नजर अंदाज किया जा रहा है। उसके लिए रेलवे लाइन का कोई इन्तजाम नहीं किया जा रहा है। इस लिए मैं मंत्री महोदय को उलाहना देना चाहता हूं, और सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि अगर रेलों के मामले में राजस्थान प्रोजेक्ट को नजर अन्दाज किया गया, तो ऐसी बड़ी समस्या हमारे सामने खड़ी हो जायेगी, जो सदा सदा के लिए हम को परेशान करेगी और देश की अर्थ-व्यवस्था को भी हानि पहुंचायेगी। मैं चाहता हूं कि उसकी तरफ ध्यान दिया जाये।

यह प्रोजेक्ट सूरतगढ़ से शुरू होता है और उसके नालों और उपनालों का विस्तार 61,000 किलोमीटर तक है। उस इलाके में रेलवे लाइन जल्दी से जल्दी बिछाई जानी चाहिए, ताकि समय रहते हम इस प्रोजेक्ट से होने वाली पैदावार को लाने-लेजाने की व्यवस्था करने में सफल हो सकें। मुझे आशा है कि मंत्री महोदय इस ओर ध्यान देंगे।

13.00 hrs.

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जितनी भी मेल और एक्सप्रेस गाड़ियां हैं उन के अलावा जो रेलगाड़ियां चलती हैं उन की हालत बहुत खराब है। किसी की खिड़की टूटी है तो किसी में पंखे नहीं हैं, किसी में बिजली नहीं है। इस हालत के अंदर मैं मंत्री महोदय से इतना ही कहना चाहता हूं कि साल में एक बार उन गाड़ियों के फर्स्ट क्लास डिब्बों में जरूर सफर करें जो मेल और एक्सप्रेस नहीं हैं ताकि उन को व्यक्तिगत अनुभव हो सके कि क्या हालत है उन डिब्बों की जिन में फर्स्ट क्लास के मुसाफिर चलते हैं। बस, इतनी सी बात पर मंत्री जी हां कर लेंगे तो मैं समझूंगा कि कुछ सुधार उस में होने लगेगा।

तीसरी बात यह कहना चाहता हूं कि दिल्ली से सूरतगढ़ के लिए जो डिब्बा जाया करता था वह गंगानगर एक्सप्रेस में शार्दूलपुर में जुड़ जाया करता था और वहां से हनुमानगढ़ पहुंचता था। आजकल उस को बन्द कर दिया गया है। अब हालत यह है कि रिवाड़ी तक के मुसाफिर को जो हनुमानगढ़ जाना चाहता है, दिल्ली आना पड़ेगा और दिल्ली से भटिंडा और भटिंडा से हनुमानगढ़ पहुंचना पड़ेगा। मेरा कहना यह है कि वह डिब्बा जैसे पहले लगता था वैसे ही लगाया जाय।

इसी तरह से एक समस्या सीकर की है जो जिले का हैडक्वार्टर है और जंक्शन है। चार गाड़ियां वहां आ कर मिलती हैं। इस की रेलवे लाइन शहर के भीतर से गुजरती है और उस के रेलवे फाटक पर कोई कर्मचारी न होने से शहर को दो हिस्सों में बांट दिया गया है। उस के लिए वहां आन्दोलन भी हुआ था लेकिन उस की कोई सुनवाई नहीं हुई। वहां के लोग बहुत परेशान हैं। वहां फाटक पर कर्मचारी की नियुक्ति होना चाहिए।

यह दो एक छोटी मोटी बातें ऐसी हैं जिनके कारण मैं धन्यवाद तो नहीं दूंगा, हां यह आशा अवश्य करूंगा कि मंत्री जी इन बातों पर ध्यान देंगे।

13.03 hrs.

ANNOUNCEMENT RE: CANCELLATION OF THE SITTING OF THE HOUSE ON 21-6-1980

MR. DEPUTY-SPEAKER: The Minister of Parliamentary Affairs and the leaders of various groups have agreed that the sitting of the House fixed for Saturday, 21-6-1980 may be cancelled. I think the House agrees.

SOME HON. MEMBERS: Yes.

MR DEPUTY-SPEAKER: We now adjourn for lunch.

13.04 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.